एमडीआई गुड़गांव के पीजीडीएम बिजनेस मैनेजमेंट के छात्रों ने एक इनसाइटफुल आइडियाज फेस्ट का आयोजन किया

गुरूग्राम। एमडीआई गुड़गांव ने 31 अगस्त और 1 सितंबर, 2024 को एमडीआई ऑडिटोरियम में अपने वार्षिक विचार उत्सव 'संवाद 2024' का आयोजन किया। दो दिवसीय इस भव्य आयोजन का आयोजन प्रतिष्ठित पीजीडीएम बिजनेस मैनेजमेंट (बीएम) कार्यक्रम के छात्रों द्वारा किया गया, जो एमडीआई का सबसे पुराना और भारत का सबसे लंबे समय से चलने वाला पूर्णकालिक आवासीय कार्यकारी कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेताओं, शिक्षाविदों और छात्रों को आज के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों के समृद्ध आदान-प्रदान के लिए एक साथ लाया गया, जिसमें एआई, सस्टेनेबिलिटी और बिज़नेस इनोवेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया। संवाद 2024 के उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलन किया गया, जो कार्यक्रम की

शुरुआत का प्रतीक है। इस सत्र में मुख्य अतिथि, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के नीति प्रमुख और दिल्ली शहरी कला आयोग के अध्यक्ष श्री अजीत पई, विशिष्ट अतिथि, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया और दक्षिण एशिया के लिए एज़्योर क्लाउड बिजनेस के प्रमुख श्री बिक्रमजीत देबनाथ और एमडीआई गुड़गांव के सम्मानित संकाय सदस्यों की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। एमडीआई गुड़गांव में इंडस्ट्री कनेक्ट की डीन प्रो. सुमिता राय ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पीजीडीएम बीएम के छात्रों को बधाई दी और निगमों के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी और स्थिरता के दोहरे महत्व पर जोर दिया। प्रो. राय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि व्यवसायों को विकसित वैश्विक परिदृश्य में फलने-फूलने के लिए स्थिरता को एक मुख्य मूल्य के रूप में अपनाते हुए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना चाहिए। उसके बाद, श्री बिक्रमजीत देबनाथ ने स्थिरता को आगे बढ़ाने में माइक्रोसॉफ्ट के जनरेटिव एआई के उपयोग पर जोर दिया, समेकित क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, ढृश्यज्ञ-सक्षम स्मार्ट बिल्डिंग, रिसाइकिल करने योग्य उत्पाद, उपभोक्ताओं के लिए रीयल-टाइम उत्सर्जन डैशबोर्ड और आपूर्ति श्रृंखला में स्कोप 1 और 2 उत्सर्जन की पारदर्शी रिपोर्टिंग के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को अनुकूलित करने पर ध्यान केंद्रित किया। प्रो. शिव एस त्रिपाठी ने श्री शर्मा के मुख्य बिंदुओं का सारांश दिया और व्यापार जगत में एआई और स्थिरता के नए प्रतिमान को आगे बढ़ाने के लिए अभिनव रणनीतियों में अतिरिक्त अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने संवाद समिति और स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत को स्वीकार करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।